

आइए इस लेख द्वारा जानने की कोशिश करें कि स्वदेशी वस्तुओं की हमें क्यों इतनी आवश्यकता है। प्रस्तुत लेख [भाई राजीव दीक्षित जी](#) के एक भाषण का लिखित स्वरूप है जिसमें मुख्य बिंदुओं की संक्षेप में चर्चा की गई है। इस तथा आने वाले लेखों का उद्देश्य देशवासियों में अपनी भूली हुई संस्कृति एवं स्वाभिमान को पुनर्जागृत करना है। मैं आशा करता हूँ कि आप इसे पूरा पढ़ेंगे और अपने राष्ट्र के उत्थान में अपना यथासंभव योगदान प्रदान करेंगे। आप इस व्याख्यान को स्वयं भाई राजीव जी के श्रीमुख से नीचे दिए गए लिंक पर भी सुन सकते हैं।

https://docs.google.com/file/d/0B8n_36gK-KF4NEQ2R2RPNIUybzg/edit?usp=sharing

आज से लगभग 400 साल पहले हमसे एक भारी भूल हुई जिसका दंश हमने 350 सालों तक झोला। वह गलती थी एक विदेशी कंपनी को अपने देश में व्यापार कर मुनाफा देने की। आज वही गलती हमारे वर्तमान शासक रोज करते हैं, हजारों ऐसी विदेशी कंपनियों को देश में व्यापार करने की अनुमति देकर। वो एक कंपनी देश का 21,000 करोड़ देश से लूटकर गई और आज ऐसी हजारों कंपनियां देश का लाखों करोड़ लूट कर प्रतिवर्ष बाहर ले जा रही हैं। इनमें अकेले अमेरिका की 5000 कंपनियां हैं जैसे - Pepsico, Coca Cola, pfizer आदि। इनमें से कोई भी एक कंपनी ऐसी नहीं है जिसे आप कह सकें कि उसके उत्पाद हमारे किसी काम के हैं। आइए इन्हें परखें:

1. **Soft drinks:** आज हमारे देश में पढ़े लिखे लोगों में एक गजब का चलन है और वह है कोल्ड ड्रिंक्स का। ऐसा कोई शायद ही होगा हमारे शहरों में जिसने कोल्ड ड्रिंक्स नहीं पी हो। चाहे डॉक्टर हो, इंजिनियर हो, CA हो जिसको देखो कोक और पेप्सी पीना शान की बात समझते हैं। उनमें एक feeling आती है modernization की। हम खुद भी पीते हैं और औरों को भी पिलाते हैं। जब पूछो कि क्यों पीते हैं कोल्ड ड्रिंक्स? तो कहते हैं बस ऐसे ही। कुछ प्रबुद्ध लोग उत्तर देते हैं कि यह best quality का drink है इसीलिए पीते हैं।

जब आपके घर में खीर बनती है तो क्या आप उसे पड़ोसी को खिलाते हैं? आप पहले खुद खाते हैं और फिर बची हुई जो फेंकने के लिए रह जाती है वही आप दूसरों को खिलाते हैं। जरूरी नहीं आप में से सब ऐसा ही करते हों परंतु कोई भी देश best quality की चीज़ क्यों दूसरे देश को देगा? Cold drinks में इतना अधिक acid होता है कि यदि आप अपना एक दांत उसमें 15 दिनों के लिए रख दें तो वो उसमें घुल जाएगा! जबकि दांत इतना मजबूत होता है कि वो सदियों तक खराब नहीं होता। एक महीने से गंदे शौच स्थान को यदि आप कोल्ड ड्रिंक से साफ़ करें तो चमक उठेगा। ये पूरी तरह से practical है, आप चाहे तो अपने घर पर इसे करके देख सकते हैं। फिर सोचिये शरीर के अंदर जा कर ये क्या क्या साफ़ कर

देगी? वैज्ञानिकों ने जब injection में कोल्ड ड्रिंक भर कर बंदरों को लगाया तो एक 2 घंटों में उनकी मृत्यु हो गई। इसमें ऐसे रसायन डाले जाते हैं जो शरीर में कैंसर पैदा करते हैं। यही नहीं, कोल्ड ड्रिंक का यह पैसा जो आप अमेरिका को दे रहे हैं वो पैसा वो पाकिस्तान जैसे दूसरे देशों को कर्ज़ के रूप में देता है। फिर वही पैसा आतंकवादियों के पास जाता है और हमारे यहाँ तबाही मचाई जाती है! आप प्राकृतिक रस जैसे गन्ने, अनार, अनानास आदि का रस पीएं जिससे आपके स्वास्थ्य के साथ साथ देश के किसानों की समृद्धि बढ़ेगी। एक अनुमान के अनुसार यदि भारतवासी अभी और इसी वक्त कोल्ड ड्रिंक पीना छोड़ दें तो स्वास्थ्य लाभ के साथ साथ देश का 7000 करोड़ रुपया बाहर जाने से बच जाएगा। और यही धन अगर देश के किसानों को मिले तो देश का कोई भी किसान आत्महत्या न करे।

2. **विदेशी घरेलू सामान:** इसी तरह आप जब भी कोई घरेलू सामान खरीदें, स्वदेशी ही खरीदें। Colgate और Pepsodent जैसे पेस्ट में एक बेहद ज़हरीला पदार्थ डला होता है जिसे Sodium Laurel Phosphate कहा जाता है। ये इतना ज़हरीला होता है कि अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों में यह बैन है। यही पदार्थ पेस्ट में झाग उत्पन्न करता है। आप दन्त मंजन करें या फिर कोई स्वदेशी toothpaste लें जो आयुर्वेदिक हो नहीं तो दातुन ही कर लें परंतु विदेशी सामान खरीद कर देश को खोखला न बनाएँ।
3. **एलापथी दवाइयाँ:** देश में बिकने वाली 84000 दवाइयों में से हमारे काम आने वाली केवल 350 दवाइयाँ ही हैं। बाकि सारी दवाइयाँ सिर्फ विदेशी दवाई कंपनियों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से बेची जाती हैं। यदि आप खान पान पर नियंत्रण रखें और नियमित रूप से योग, प्राणायाम और व्यायाम करें तो कभी बीमार ही न हों! फिर भी यदि बीमार हो ही गए हैं तो आयुर्वेदिक उपचार लें जिसमें बीमारियों का सम्पूर्ण इलाज संभव है।

स्वदेशी विचारधारा के पीछे उपरोक्त गंभीर कारण हैं। अकेले स्वदेशीकरण से हम अपने स्वास्थ्य से लेकर देश की अर्थव्यवस्था तक सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। इसे समझें और आज से ही स्वदेशी व्रत का संकल्प लेकर देश को शक्तिशाली बनाने में अपनी भागीदारी प्रदान करें।

जय भारत!